फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 301 प्रभात जयपुर, रविवार 2 जून, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

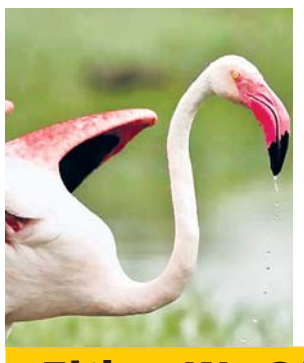

Either We Of Flamingoes

Fishing nets, that seem harmless, stuck on two bamboo poles erected on the water body, are actually the death traps for birds. They get caught in them. Once caught, they are either killed or their wings and legs are broken.

Avoid eye stroke, dry eye syndrome or allergies in summer

एग्ज़िट पोल्स बंगाल में तृणमूल को 13 से 17 तथा भाजपा को 21-27 सीटें दे रहे हैं

एग्ज़िट पोल का आंकलन सही सा इसलिये लगता है, क्योंकि ''ग्राउण्ड लैवल'' पर साधारण जनता का मूक विरोध, सरकार व शक्तिशाली और सक्षम व्यक्तियों की गुण्डई व आतंक पर भारी पड़ता नज़र आ रहा था

- एग्ज़िट पोल का निष्कर्ष अगर सही उतरता है, 4 जून को, तो भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं का जमीन पर संगठन को ताकतवर बनाने का कार्य वाकई प्रशंसनीय है और वे बधाई के हकदार हैं, जो उन्हें अब भरपूर मिल रही है, सभी जगह से।
- जिस तरह से भाजपा ने बंगाल में सालों की मेहनत से अपना संगठन खड़ा किया, तथा कार्यकर्ता का मनोबल गिरने नहीं दिया और लगातार कार्यकर्ताओं की पार्टी के प्रति वफादारी बरकरार रखी यह तथ्य अविश्वसनीय लगता है।
- तृणमूल कांग्रेस के बाहुबलियों ने हर स्तर पर भाजपा के कार्यकर्ताओं को आतंकित करने व डराने का प्रयास किया, घरों पर कब्जा, भाजपा कार्यकर्ता को बेघर करने, उनके परिवारों से रोज मारपीट तथा केन्द्रीय सरकर द्वारा दी जाने वाली सामान्य मानवीय सुविधाओं से वंचित रखने जैसा हथकंडा अपनाया भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ।
- क्या यह संभावित रिज़ल्ट, सभी राजनीतिक पार्टियों के लिये सबक है कि, भ्रष्ट व अमानवीय तरीकों के सहारे सरकारें नहीं चल सकतीं, आम जनता द्वारा उस सरकार को रिजैक्ट किया जा सकता है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। सभी एग्ज़िट पोल्स पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की संभावनाओं में भारी कमी और साथ ही भाजपा की सीटों में चौंकाने वाली वृद्धि की भविष्यवाणी कर रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का सीट शेयर 13 से 17 रह सकता है। भाजपा के लिए 21 से 27 सीटें बतायी गई हैं। कांग्रेस और माकपा को 1 से 3 सीटें मिलने की संभावना बतायी जा रही है। पश्चिम बंगाल में देश में तीसरी सर्वाधिक 42 लोकसभा सीटें हैं।

बंगाल में भाजपा के संभावित अच्छे प्रदर्शन का कारण जमीनी स्तर पर हुए घटनाक्रम है जिनमें तृणमूल कांग्रेस की मनमानी एवं राज्य की जनता के शोषण ने आम लोगों को सरकार के खिलाफ सक्रिय कर दिया। जबकि इसी जनता ने वाम मोर्चा के 30 साल के शासन और उसकी गुंडागर्दी के खिलाफ ममता बनर्जी में भरोसा जताया था।

सत्तारूढ़ तृणमूल और उसके प्रवक्ताओं ने अपने कृत्यों और त्रुटियों को न्यायोचित ठहराने के लिए हर तरह के कुतर्क का प्रयोग यह सोचकर किया कि शक्तिशाली जो भी बात कहेगा, लोग उसे स्वीकार कर लेंगे, फिर भी, यदि परिणाम उम्मीद के मुताबिक रहे तो सत्तारूढ़ पार्टी की धारणा को झुठला देंगे। चूंकि सभी एग्ज़िट पोल्स एक जैसी बात कर रहे है, इसलिए लगता है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

13 दल शामिल हुए इंडिया ब्लॉक की मीटिंग में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। आगामी 4 जून को होने जा रही मतगणना की तैयारी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 10, राजाजी मार्ग स्थित आवास पर शनिवार को 13 राजनीतिक पार्टियों के करीब 24 नेताओं ने इण्डिया गठबंधन की एक औपचारिक मीटिंग में भाग लिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ही मीटिंग से अनुपस्थित रहीं क्योंकि वह पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदान में व्यस्त थीं।

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर हुई इस बैठक में राहुल, प्रियंका व सोनिया भी शामिल हुईं। मीटिंग में ममता बनर्जी के अलावा गठबंधन के सभी दलों के नेता शामिल हुए।

कांग्रेस की तरफ से खड़गे के अलावा सोनिया गांधी, राहुल, प्रियंका और के.सी. वेणुगोपाल थे, जबकि समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने चाचा राम गोपाल यादव के साथ मीटिंग में भाग लिया। नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) प्रमुख शरद पवार जितेन्द्र अव्हाड़ के साथ मौजूद थे।

आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलुगू भाषी आंध्र व तेलंगाना में भाजपा को 25 सीटें जीतता दिखा रहे हैं एग्ज़िट पोल

इसके अलावा आंध्र के एन.डी.ए. गठबंधन के साथी, चंद्रबाबू नायडू की पार्टी को भी 10-15 सीटें और मिलने के संकेत दिख रहे हैं

- इसके अलावा, आंध्र से भाजपा के लिये इसमें खुशी की संभावना यह भी है कि, एन.डी.ए. विधानसभा की कुल 175 सीटों में से 100 पर जीतती दिख रही हैं एग्ज़िट पोल के अनुसार।
- मु.मंत्री जगन मोहन रेड्डी के लिये हारने के अलावा मुश्किल भी है कि, उनके खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के आरोपों में, उनके खिलाफ जजमैंट आ सकता है।
- तेलुगू देशम के नेता अब यह भी कह रहे हैं कि, चुनाव में भारी मतदान (80 प्रतिशत से ज्यादा) इस बात का संदेश था कि, जनता सरकार का तख्ता पलटने को आतुर थी।

-लक्ष्मण कुंची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। तेलगु भाषी राज्य तेलंगाना और उसके साथ ही आंध्र प्रदेश से, भाजपा के लिए शुभ समाचार आ रहे हैं। इन राज्यों में, भाजपा की लोकसभा सीटों में वृद्धि होने जा रही है, साथ ही एक और राज्य सरकार, नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) के दायरे में आने वाली है।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से प्राप्त एग्ज़िट पोल्स के अनुसार इन दोनों राज्यों से भाजपा नीत गठबंधन एन.डी.ए. को 25 सीटें मिल सकती हैं। आंध्र में भाजपा अपने मजबूत घटक दल के साथ चुनाव मैदान में है, यहां से इसे 20 सीटें मिलने का अनुमान है और संकेत हैं कि तेलंगाना में इसकी सीटों की संख्या तीन या चार बढ़ सकती है।

इतना ही नहीं एन.डी.ए. आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी शानदार जीत हासिल कर सकता है। अनुमान है कि विधानसभा की 175 में से 100 सीटें एन.डी.ए. को मिलेगी। एग्ज़िट पोल्स के अनुसार मौजूदा मुख्यमंत्री वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी सत्ता से बेदखल हो जाएंगे।

तेलगूदेशम पार्टी के नेताओं ने कहा कि इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। तेलगुदेशम के नेताओं का मानना है कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि होने का मतलब है कि जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया है। चंद्रबाबू नायडू के लिए बढ़ती उम्र की वजह से यह संभवतया अंतिम चुनाव हो इसलिए उन्होंने इसमें जान डाल दी और भाजपा के साथ गठबंधन करने में उन्होंने कोई कसर नही छोड़ी।

प्रदेश की दोनों पार्टियां चाहे वह तेलुगूदेशम हो या जगन मोहन की पार्टी वाय.एस.आर. सी.पी, दोनों ही इसके सहयोगी है जो भी जीतेगी वही इसका समर्थन करगी। पर अब तेलुगूदेशम भाजपा और पवन कल्याण की जनसेना का गठबंधन संभवतया आंध्र प्रदेश में आसानी से जीतने जा रहा है और चार जून को सत्ता से बाहर होने के साथ ही जगनमोहन के मुश्किल भरे दिन शुरु हो जाएंगे उनके खिलाफ कई मामले है तथा भ्रष्टाचार के एक केस में तो वे जमानत पर है। उनके राजनैतिक भविष्य में परिवर्तन से उनके खिलाफ मामले आगे बढ़ाए जा सकते हैं। खासकर इसलिए भी कि उन्होंने भ्रष्टाचार के एक केस में चंद्रबाबू नायडू को जेल भेजा था। नायडू को 6 सप्ताह जेल में रहना पड़ा था बाद में उन्हें जमानत मिली थी।

इंडिया गठबंधन की बैठक हुई मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर

ममता बनर्जी, एम.के. स्टालिन के अलावा इंडिया गठबंधन के सभी घटकों के शीर्ष नेताओं ने बैठक में भाग लिया

- क्या बैठक का मकसद इंडिया गठबंधन के घटकों को साथ रखना था, चुनावी नतीजे आने के उपरांत अगर अस्पष्ट सी बनती है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। वर्ष 1952 के बाद, सबसे लंबे चले लोकसभा चुनाव के बाद, चार जून को होने वाली मतगणना के पहले, इंडिया गठबंधन ने एकता का प्रदर्शन करते हुए शनिवार को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक की।

कांग्रेस अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली आवास पर आयोजित इस बैठक में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेताओं, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह, माकपा के सीताराम येचुरी, नैशनल कॉन्फ्रैंस के फारूख अब्दुल्ला शामिल हुए।

अन्य विपक्षी नेता, शरद पवार, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, अनिल देसाई, भगवंत मान, राघव चड्ढा, चंपई सोरेन, कल्पना सोरेन, टी.आर. बालू, डी. राजा और मुकेश सहनी भी इस बैठक में शामिल हुए।

इस सप्ताह के शुरू में बंगाल में आए चक्रवाती तूफान रेमल के बाद किए जा रहे राहत कार्यों और लोकसभा चुनावों के अंतिम चरण के चलते ममता बनर्जी ने इस बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

पीपल्स डैमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती निज़ी कारणों की वजह से बैठक में शामिल नहीं हुई। उन्होंने कहा, मेरी माँ की आँख का ऑपरेशन हुआ है इसलिए हो सकता है, मैं नहीं जा पाऊँ।

इस बैठक का आधिकारिक कारण राज्य और जिला स्तर पर सुचारू मतगणना सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाना, बताया गया था। पर सूत्रों के अनुसार, इस बैठक का लक्ष्य सभी सहयोगियों को एकजुट रखने का था। कांग्रेस नेताओं ने विश्वास में लेकर बताया, अगर एन.डी.ए. कम मार्जिन से जीतता है तो यह मुद्दा महत्वपूर्ण होगा। पार्टी आशा कर रही है कि एन.डी.ए. को 260-270 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेगी और वह बहुमत से कुछ सीटें पीछे रह जायेगी।

स्वराज इंडिया के अध्यक्ष, योगेन्द्र यादव ने एन.डी.ए. के ज्यादा से ज्यादा 270 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की है, जिससे वह बहुमत प्राप्त करने से मात्र 2 सीटें पीछे रह जायेगी।

बहुमत के लिए आवश्यक सीटें नहीं भी आती हैं फिर भी विपक्षी गठबंधन एकजुट रहना चाहता है।

बैठक से पहले, एक्स (ट्विटर) पर लिखे एक पोस्ट में खड़गे ने कहा, ''लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और सभी पार्टियों के नेता और कार्यकर्ता अत्यधिक सजग हैं। हमने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों को अपनी पूरी ताकत के साथ लड़ा है और हमें पूर्ण विश्वास है कि सकारात्मक परिणाम आयेंगे क्योंकि भारत की जनता ने हमारा समर्थन किया है।''

एग्ज़िट पोल्स के नतीजों के पहले, खड़गे ने कहा कि, 'इण्डिया'' 295 से ज्यादा सीटें जीतने जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गृह मंत्री शाह कलैक्टर्स को धमका रहे हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया कि वो जिला न्यायाधीशों /जिलाधीशों को लगातार फोन कर रहे हैं और अब तक वो उनमें से करीब 150 को फोन कर चुके हैं। सोशल मीडिया एक्स पर भेजे संदेश में उन्होंने कहा: ''यह जबरदस्त और निर्लज्जतापूर्ण धमकी है इससे यह पता चलता है कि भाजपा कितनी हताश हो चुकी है।''

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि, शाह ने 150 जिला कलैक्टर्स व मजिस्ट्रेट्स को फोन कर धमकी दी है, यह भाजपा की हताशा को दर्शाता है।

उन्होंने यह भी कहा ''अधिकारियों को किसी भी दबाव में नहीं आना चाहिए और उन्हें संविधान का अवश्य पालन करना चाहिए। उन पर निगरानी रखी जा रही है।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राजस्थान में भाजपा को 22, कांग्रेस को दो व अन्य को एक सीट मिलेगी'

न्यूज़ 24-टुडेज़ चाणक्य के एग्ज़िट पोल ने भविष्यवाणी की

- न्यूज़ 24-टुडेज़ चाणक्य के अनुसार बाड़मेर -जैसलमेर सीट निर्दलीय रविन्द्र सिंह भाटी को मिलेगी। ए.बी.पी. न्यूज़ ने अपने सर्वे में राजस्थान में भाजपा को 21 से 23 व कांग्रेस को 2 से 4 सीटें मिलने की बात कही।
- टीवी -9 - भारतवर्ष का सर्वे अवश्य कांग्रेस को राहत दे सकता है। इसके अनुसार भाजपा को 19, कांग्रेस को 5 व अन्य को एक सीट मिलेगी।
- फलौदी सट्टा बाजार के अनुसार भाजपा देशभर में 300-302 तथा राजस्थान में 19-20 सीटें जीतेगी, वहीं, कांग्रेस देशभर में 55-65 व राज्य में 5-6 सीटें जीत सकती है।

नई दिल्ली/ जयपुर, 1 जून। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान खत्म होने के साथ ही टीवी चैनलों पर एग्ज़िट पोल्स नतीजे आने शुरु हो गए। अधिकांश एग्ज़िट पोल्स ने राजस्थान में भाजपा की जीत की भविष्यवाणी की है हालांकि इनमें दो-तीन सीटें कांग्रेस को मिलने की बात भी कही गई है। न्यूज़ 24-टुडेज़ चाणक्य, ए.बी.पी. न्यूज़, टीवी9- भारत वर्ष और न्यूज 18 के एग्ज़िट पोल्स के अनुसार राजस्थान में भाजपा की विजय सुनिश्चित है, पर 2014 व 2019 के चुनावों के मुकाबले कांग्रेस के प्रदर्शन में मामूली सुधार बताया गया है।

टुडेज़ चाणक्य के एग्ज़िट पोल में राजस्थान में 22 सीटें भाजपा के खाते में जाने की बात कही जा रही है साथ ही कांग्रेस को दो व एक सीट अन्य को मिलने की भविष्यवाणी की गई है। एग्ज़िट पोल्स ने बाड़मेर लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी के चुनाव जीतने की भविष्यवाणी की है।

ए.बी.पी. न्यूज़ ने अपने सर्वे में भाजपा को 21-23 सीटें व कांग्रेस को 2 से 4 सीटें मिलने की बात कही है।

टी.वी-9 -भारतवर्ष ने अपने सर्वे में भाजपा को 19 सीटें, कांग्रेस को 5 सीटें तथा एक सीट अन्य को दी है। न्यूज़-18 ने भी भाजपा को 21 से 24 सीटें मिलने की तथा कांग्रेस को दो से चार सीटें मिलने की संभावना जताई है।

लोकसभा चुनाव नतीजों के संदर्भ में देश के विभिन्न स्थानों के सट्टा बाजार अपने दावों को लेकर चर्चा में हैं। राजस्थान के फलौदी सट्टा बाजार ने भी महत्वपूर्ण भविष्यवाणी की है। उसने देश में भाजपा के लिए 300-302 सीटों की जीत का अनुमान लगाया है, साथ ही कांग्रेस को 55 से 65 सीटें मिलने का आंकलन किया है।

फलौदी सट्टा बाजार के अनुसार, राजस्थान में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर होने की संभावना है। इसके साथ ही, इसने दावा किया है कि भाजपा 19-20 सीटें जीतेगी, और 5-6 सीटें कांग्रेस या इंडिया गठबंधन के खाते में जा सकती हैं।

राजस्थान एग्ज़िट पोल
कुल सीट 25

सर्वे एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
टुडेज़ चाणक्य	22	2	1
ए.बी.पी.न्यूज़	21-23	2-4	0
टी वी 9 भारतवर्ष	19	05	01
न्यूज़ 18	21-24	2-4	00

एग्ज़िट पोल के आंकलन कितने खरे उतरे हैं, अब तक

उदाहरण के लिये कोई भी एग्ज़िट पोल दिल्ली में 2015 में आप की भारी जीत के संकेत नहीं दे पाया था

- इसी प्रकार, 2015 के बिहार के विधानसभा चुनाव में किसी भी एग्ज़िट पोल ने यह नहीं कहा था कि, जद (यू) व आर.जे.डी. को महागठबंधन की इतनी भारी सफलता मिलेगी और भाजपा का एकदम सफाया हो जायेगा।
- इसी प्रकार 2019 व 2014 के लोकसभा चुनाव में लगभग सभी एग्ज़िट पोल का सीटों की हार-जीत का आंकड़ा काफी हद तक सही उतरा था।
- इस बार चुनाव का रिज़ल्ट चार जून को आयेगा, पर, शायद इस बार, एग्ज़िट पोल, ज्यादा ''इनैक्युरेट'' साबित नहीं होंगे, क्योंकि चुनाव बहुत लम्बे समय तक चला, और एग्ज़िट पोल के आंकलन, सर्वेक्षण कराने वाले की भावना व वफादारी से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए होंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। सभी एग्ज़िट पोल्स द्वारा भाजपा और एन.डी.ए. के लिए स्पष्ट बहुमत बताए जाने के बाद यह समय यह परीक्षण करने का है कि चुनावी सर्वेक्षक पिछले चुनावों में कितने सटीक रहे हैं। इंडिया टुडे-एक्सिल माई इंडिया ने वर्ष 2019 में भविष्यवाणी की थी कि एन.डी.ए. को 339 से 365 सीटें मिलेंगी और यू.पी.ए. को 77 से 108 सीटें प्राप्त होंगी। न्यूज़ 24 टुडेज़ चाणक्य ने वर्ष 2019 में एन.डी.ए. को 350 से अधिक और यू.पी.ए. को करीब 95 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की थी। सी.एन.एन.-आई.बी.एन.-सी.एस.डी.एस. लोकनीति ने वर्ष 2014 में एन.डी.ए. के लिए 276 सीटों और यू.पी.ए. के लिए 97 सीटों की भविष्यवाणी की थी और 148 सीटें अन्य पार्टियों के लिए बतायीं थीं। एन.डी.टी.वी.- हंसा रिसर्च ने वर्ष 2014 में कहा था कि एन.डी.ए. 297 और यू.पी.ए. 103 सीटें जीतेगा और अन्य को 161 सीटें प्राप्त होंगी। जब अंतिम परिणाम घोषित हुए तब अधिकांश एग्ज़िट पोल्स के पूर्वानुमान करीब-करीब सही साबित हुए।

लेकिन पहले कुछ ऐसे भी अवसर रहे हैं, जब एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणियाँ पूरी तरह से गलत साबित हुईं। उदाहरण के लिए वर्ष 2015 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में कोई भी चुनावी सर्वेक्षक आम आदमी पार्टी (आप) की एकतरफा जीत की भविष्यवाणी नहीं कर सका। इसी वर्ष बिहार विधानसभा चुनावों के परिणाम की भविष्यवाणी करने में सभी चुनाव अनुसंधान एजेंसिया उस वक्त गलत साबित हो गईं, जब राजद और जदयू वाले महागठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल कर भाजपा का सूपड़ा साफ कर दिया था।

लोकसभा चुनावों के अंतिम परिणाम जहाँ 4 जून को आएंगे, वहीं यह विश्वास करने के भी कारण हैं कि अधिकांश चुनावी सर्वेक्षक पूर्णतया सही साबित नहीं होंगे। पाँच चुनावी सर्वेक्षकों ने भाजपा नेतृत्व वाले एन.डी.ए. के लिए 350 से अधिक सीटों की बात कहते हुए कई राज्यों में चौंकाने वाले परिणामों की भविष्यवाणी की है। उदाहरण के लिए न्यूज़ 24 चाणक्य ने दक्षिणी राज्यों- केरल और तमिलनाडू में भाजपा के लिए चुनावी बढ़त की भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि तमिलनाडू में भाजपा को 10 सीटें मिलेंगी और केरल में वह वोट प्रतिशत के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। इस तरह सभी एग्ज़िट पोल्स ने भविष्यवाणी की है कि कर्नाटक में भाजपा की ज्यादा बड़ी हार नहीं होगी क्योंकि उसे वहां कम से कम 24 सीटें मिल रही हैं। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले उत्तरी और पश्चिमी राज्यों के लिए चुनावी सर्वेक्षकों का कहना है कि इनमें भाजपा को सीटों का मामूली नुकसान होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की 45 घंटे की ध्यान साधना पूरी हुई

नई दिल्ली, 1 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे की अपनी ध्यान साधना पूरी की और तमिल संत कवि तिरुवल्लुवर को पुष्पांजलि अर्पित की। ध्यान सत्र के समापन पर, सफेद वस्त्र पहने मोदी ने स्मारक के बगल में स्थित उस परिसर का दौरा किया जहां तिरुवल्लुवर की 133 फुट ऊंची प्रतिमा स्थित है और वहां एक विशाल माला चढ़ाई। वह नौका सेवा द्वारा प्रतिमा परिसर पहुंचे और बाद में नौका सेवा का इस्तेमाल करते हुए तट पर पहुंचे।

- साधना पूरी करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने संत कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा को पुष्पांजलि दी।

स्मारक पर अपने प्रवास के दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मायावती का खाता भी नहीं खुलेगा?

नई दिल्ली, 1 जून। उत्तर प्रदेश के चुनावी सर्वेक्षणों में 10 साल बाद एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी के सामने उत्तर प्रदेश में शून्य पर सिमटने जैसी नौबत बनती दिख रही है।

- सभी एग्ज़िट पोल्स ने मायावती की पार्टी बसपा के शून्य सीटें जीतने की भविष्यवाणी की है। इसे दलित राजनीति के अंत के तौर पर देखा जा रहा है।

लोकसभा चुनाव 2014 में बसपा खाता भी नहीं खोल पाई थी। मोदी लहर में यूपी की 80 में से 73 सीटों पर एन.डी.ए. को जीत मिली थी। वहीं, सपा 5 और कांग्रेस 2 सीटों पर जीती थी। यूपी विधानसभा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)